डिजिटल ब्रांड आइडेंटिटी मैनुअल

स्रोत: पी.आई.बी.

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने सभी सरकारी प्लेटफॉर्मों पर एक **मानकीकृत एवं निर्बाध डिजिटल उपस्थिति** स्थापित करने के क्रम में **डिजिटल ब्रांड आइडेंटिटी मैनुअल** की शुरुआत की है।

- **DBIM:** यह **सरकारी वेबसाइटों, मोबाइल एप्स और सोशल मीडिया** पर **कलर पैलेट, टाइपोग्राफी और आइकनोग्राफी** को मानकीकृत करता है, साथ ही निर्बाध अपडेट के लिये एक **केंद्रीकृत सामग्री प्रबंधन प्रणाली Gov.In CMS** की शुरुआत करता है ।
- **यह सभी सरकारी वेबसाइटों की बेहतर पहुँच और उपयोगकर्त्ताओं के अनुभव के लिये जनरल UI/UX (यूजर इंटरफेस/यूजर अनुभव) सिद्धांतों को सुनिश्चित करता है।**

- DBIM की सेंट्रल कंटेंट पब्लिशिंग सिस्टम (CCPS) आधिकारिक घोषणाओं, नीतियों और योजनाओं को लगातार अद्यतन करने में सक्षम बनाती है।

- **महत्त्व:** DBIM एक **सुसंगत डिजिटल पहचान सुनिश्चित करके, एक्सेसिबिलिटी में** सुधार, **पॉलिसी एक्सेस को सुव्यवस्थित करने** और भारत के **ई-गवर्नेंस नेतृत्व को सुदृढ़ करके "मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस" को बढ़ाता है।**

और पढ़ें... भारत के डिजिटल विकास की उन्नति

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/digital-brand-identity-manual